खरपतवारनाशी मुक्त खेती के किसानों के अनुभव
सरल, नीलगिरी, तमिलनाडु

रकबा:
13 एकड़

फसलें:
चाय एवं सब्जियां

- महिला समूहों द्वारा सामूहिक श्रम की कहानी

- 63 महिला समूह -1600 महिलायें
- 23 महिला किसान समितियां -434 महिला किसान
- 242 एकड़ भूमी प्राकृतिक खेती के अंतर्गत (व्यक्तिगत खेती)
- 64 महिला किसानों द्वारा 13 एकड़ में चाय एवं सब्जियों की सामूहिक जैविक खेती खरपतवार नियंत्रण मिलजुल कर करती हैं
- मुख्य तौर पर हाथ से निंदाई एवं खरपतवार का खाद के तौर पर प्रयोग



महिलाओं द्वारा सामूहिक खेती संपर्क

Address: K. Saral, 5/382, Club Road, Kotagiri, The Nilgiris, Tamilnadu, PIN: 643217

खरपतवारनाशी मुक्त खेती के किसानों के अनुभव
पी के कुमारन, नीलगिरी, तमिलनाडु

रकबा: 7 एकड़

फसलें: चाय, काफी, काली मिर्च, नारियल, सुपारी, इलायची, जायफल, वेनिला, अदरक, हल्दी, केले, अनानास इत्यादि

- ❑ खरपतवार भूमी के स्वास्थ्य के लिए ज़रूरी. इस लिए पूरी तरह ख़त्म करना ज़रूरी नहीं.
- ❑ खरपतवार दो तरह के होते हैं- घास एवं जड़ी बूटी
- ❑ खरपतवार को फसल से ऊपर न जाने दें.
- ❑ चाय के बागान में पहले दो साल निंदाई ज़रूरी है, फिर चाय बढ़ जाती है और खरपतवार नियंत्रित हो जाते हैं.
- ▪ मल्चिंग: बाग़ लगाने के समय ज़मीन तैयार कर के ज़मीन को सूखे एवं हरी वनस्पति से ढक दिया जाता है. प्रति एकड़ खेत के चारों ओर ग्लिरिसिडिया 200 टहनियां रोप दी थी जिन से 3-4 साल बाद 250 क्विंटल हरी खाद मिल जाती है. इस को काट कर खेत में बिछा दिया जाता है. इस से पानी की बचत और मिट्टी के स्वास्थ्य में सुधार भी होता है.
- ▪ सह्फसलें: दालें
- ▪ पेड़ों के माध्यम से छाया: बीच बीच में फलदार पेड़ लगा देते हैं जिन की छाया में खरपतवार नियंत्रित रहते हैं.
- ▪ पेड़ों का नियोजन: पेड़ इस प्रकार लगाए जाते हैं कि सूर्य की 35% रोशनी का प्रयोग पेड़ ही कर लें. केवल 65% नीचे आए.
- ▪ यंत्रों से खरपतवार नियंत्रण: छोटे औजारों से खरपतवार नियंत्रण करते हैं.
- ▪ मिट्टी का स्वास्थ्य: अच्छा होने से मिट्टी में कार्बन की मात्रा बढ़ जाती है.
- ▪ जीवामृत:

पता: P K Kumaran, Mangod, Moonnanadu P .O.; Nilgiri, Tamilnadu PIN: 643239

खरपतवारनाशी मुक्त खेती के किसानों के अनुभव
पी के कुमारन, नीलगिरी, तमिलनाडु







- देसी गाय
- पेड़ और छाया का प्रयोग
- नियोजित पेड़ प्रबंधन
- जैविक खाद



खरपतवारनाशी मुक्त खेती के किसानों के अनुभव
भानुजा, अनंतपुर, आँध्रप्रदेश

रकबा: 33 एकड़	अनुभव:3 साल	फसलें: बहुफसली खेती जिसमें परमपरागत पौष्टिक मोटे अनाज, मूंगफली, दालें, सब्जियां और फल शामिल हैं

- ❑ खरपतवार अनुपयोगी वनस्पति नहीं है.
- ❑ प्रयोग: दवाई रूपी जड़ी-बूटी, पौष्टिक एवं स्वादिष्ट पत्तेदार सब्जियां, पशुओं के लिए चारा
- ❑ इस साल की तरह बार-बार और बेमौसमी बारिश से खरपतवार की समस्या होती है.
- मल्च: वनस्पति/वनस्पति अवशेष से ढकी ज़मीन में कम खरपतवार
  - लता प्रजाति की फ़सलों जैसे कुल्थी, लोबिया, सेम इत्यादि फसलों के प्रयोग से ज़मीन को ढकना
- औजारों से:वीडर जैसे औजारों से जिन्हें महिलायें भी प्रयोग कर सकती हैं
- Browntop Millet (अगले चित्र में फ़सल का फोटो) के प्रयोग से : मुख्य फसल की दो पंक्तियों के बीच में ज़मीन ढकने में सहयोगी होने से खरपतवार नियंत्रण में सहयोगी, पशु चारा, और मनुष्य के लिए अनाज

  बीज दर: पंक्ति में बुआई के लिए प्रति एकड़ 1 किलो; छींटा विधि में 2-2.5 किलो
- सामूहिक खेती में यहाँ पर समूह की महिलाओं और श्रमिकों के माध्यम से खरपतवार निकालते हैं और आधा भुगतान नकद होता है और आधा सब्जियों, अनाज आदि के रूप में. इस से नकदी की ज़रूरत घट जाती है.

महिलाओं द्वारा सामूहिक खेती संपर्क

C. Bhanuja, R. E. D. S., Ananthpur, Bhavani Tower 4th Floor, Nandamurinagar, Andhra Pradesh PIN: 515001

खरपतवारनाशी मुक्त खेती के किसानों के अनुभव
भानुजा, अनंतपुर, आँध्रप्रदेश







Browntop
Millet